अध्याय 6: संसदीय प्रणाली- विधायिका और कार्यपालिका

प्रश्न और क्रियाकलाप

प्रश्न 1. पता लगाइए कि आपके राज्य से संसद के प्रत्येक सदन में कितने प्रतिनिधि हैं।
उत्तर: (यदि आपका राज्य दिल्ली है)
- लोकसभा में प्रतिनिधि: 7 सदस्य
- राज्यसभा में प्रतिनिधि: 3 सदस्य

इस प्रकार दिल्ली से संसद में कुल 10 प्रतिनिधि हैं।

प्रश्न 2. वे कौन-से तत्व हैं जो भारतीय संसद को 'जनता की आवाज' बनाते हैं? यह कैसे सुनिश्चित करती है कि विभिन्न विचारों को सुना जाए?
उत्तर:
- सांसद जनता द्वारा चुने जाते हैं।
- संसद में विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व होता है।
- विभिन्न राजनीतिक दल अपने विचार प्रस्तुत करते हैं।
- संसद में बहस और चर्चा होती है।
- प्रश्नकाल और शून्यकाल के माध्यम से जनता की समस्याएँ उठाई जाती हैं।
- इससे विभिन्न विचारों और मतों को सुनने का अवसर मिलता है।

प्रश्न 3. आपके विचार से संविधान ने कार्यपालिका को विधायिका के प्रति उत्तरदायी क्यों बनाया?
उत्तर:
- ताकि सरकार जनता के प्रति जवाबदेह बनी रहे।
- विधायिका सरकार के कार्यों की निगरानी करती है।
- गलत नीतियों और निर्णयों पर प्रश्न पूछे जा सकते हैं।
- इससे सत्ता का दुरुपयोग कम होता है।
- यह लोकतंत्र को मजबूत बनाता है।

प्रश्न 4. आपके अनुसार केंद्र स्तर पर द्विसदनीय विधायिका क्यों चुनी?
उत्तर:
- लोकसभा जनता का प्रतिनिधित्व करती है।
- राज्यसभा राज्यों का प्रतिनिधित्व करती है।
- कानूनों पर अधिक विचार-विमर्श का अवसर मिलता है।
- जल्दबाजी में कानून बनने से बचाव होता है।
- इससे संघीय व्यवस्था मजबूत होती है।

MUKUTclasses

प्रश्न 5. हाल ही में संसद में पारित किसी विधेयक की पूरी प्रक्रिया को समझने का प्रयास कीजिए। जानिए कि वह विधेयक सबसे पहले किस सदन में प्रस्तुत किया गया था। क्या उस पर कोई बड़ी चर्चा या विरोध हुआ था? इस विधेयक को कानून बनने में कितना समय लगा?

उत्तर (उदाहरण: महिला आरक्षण विधेयक, 2023)

- विधेयक सबसे पहले लोकसभा में प्रस्तुत किया गया।
- इस पर संसद में विस्तृत चर्चा हुई।
- अधिकांश दलों ने इसका समर्थन किया।
- कुछ सदस्यों ने इसके क्रियान्वयन के समय को लेकर प्रश्न उठाए।
- लोकसभा और राज्यसभा दोनों से पारित होने के बाद राष्ट्रपति की स्वीकृति मिली।
- इसके बाद यह कानून बन गया।

प्रश्न 6. संसद द्वारा हाल ही में पारित किसी कानून का चयन कीजिए और एक 'मॉडल संसद' का मंचन कीजिए।

उत्तर:

पात्र:

- लोकसभा अध्यक्ष
- मंत्री
- लोकसभा सांसद
- राज्यसभा सांसद
- राष्ट्रपति

संक्षिप्त नाटिका:

मंत्री: मैं महिला आरक्षण विधेयक प्रस्तुत करता हूँ।
सांसद 1: मैं इस विधेयक का समर्थन करता हूँ।
सांसद 2: इसके कार्यान्वयन पर चर्चा होनी चाहिए।
अध्यक्ष: चर्चा के बाद मतदान कराया जाता है।
सांसद: हम विधेयक के पक्ष में मतदान करते हैं।
अध्यक्ष: विधेयक पारित हो गया।
राष्ट्रपति: मैं इस विधेयक को स्वीकृति प्रदान करता हूँ।
घोषणा: अब यह विधेयक कानून बन गया है।

MUKUTclasses

प्रश्न 7. महिला आरक्षण विधेयक, 2023 व्यापक समर्थन के साथ पारित हुआ। इतने लंबे समय तक चर्चा के बाद भी इस विधेयक को पारित होने में 25 वर्ष से अधिक समय क्यों लगा?

उत्तर:

- विभिन्न राजनीतिक दलों के अलग-अलग विचार थे।
- आरक्षण के स्वरूप और क्रियान्वयन पर मतभेद थे।
- राजनीतिक सहमति बनने में समय लगा।
- कई बार विधेयक संसद में प्रस्तुत हुआ लेकिन पारित नहीं हो सका।
- अंततः व्यापक समर्थन मिलने पर इसे पारित किया गया।

प्रश्न 8. कभी-कभी संसद बाधित हो जाती है और जितने दिनों तक इसे कार्य करना चाहिए, उतना कार्य नहीं कर पाती। आपको क्या लगता है कि इसका कानूनों की गुणवत्ता और लोगों के अपने प्रतिनिधियों के प्रति विश्वास पर क्या प्रभाव पड़ता है?

उत्तर:

- कानूनों पर पर्याप्त चर्चा नहीं हो पाती।
- महत्वपूर्ण मुद्दे अनसुलझे रह सकते हैं।
- कानूनों की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है।
- जनता का अपने प्रतिनिधियों पर विश्वास कम हो सकता है।
- लोकतांत्रिक प्रक्रिया कमजोर पड़ सकती है।

प्रश्न 9. क्या आप विद्यार्थियों के बीच हित समूह बनाकर किसी नीति से संबंधित प्रश्नों की एक सूची तैयार कर सकते हैं, जिन्हें आप अपने सांसद या विधायक से पूछना चाहेंगे? यही प्रश्न विधायक के स्थान पर सांसद से पूछे जाएँ तो उनमें क्या अंतर होगा?

उत्तर:

विधायक (MLA) से पूछे जाने वाले प्रश्न:

- हमारे क्षेत्र की सड़कें कब सुधारी जाएँगी?
- सरकारी विद्यालयों में सुविधाएँ कब बढ़ेंगी?
- पेयजल की समस्या का समाधान कब होगा?
- स्थानीय अस्पतालों में डॉक्टरों की संख्या कब बढ़ेगी?

सांसद (MP) से पूछे जाने वाले प्रश्न:

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति का लाभ विद्यार्थियों को कैसे मिलेगा?
- रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए क्या योजनाएँ हैं?
- संसद में हमारे क्षेत्र की समस्याएँ कैसे उठाई जा रही हैं?
- देश में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए क्या प्रयास हो रहे हैं?

अंतर:

- विधायक राज्य और स्थानीय मुद्दों पर कार्य करता है।
- सांसद राष्ट्रीय स्तर के मुद्दों और नीतियों पर कार्य करता है।

प्रश्न 10. भारतीय लोकतंत्र में न्यायपालिका की क्या भूमिका है? यदि हमारे पास स्वतंत्र न्यायपालिका न हो तो क्या हो सकता है?

उत्तर:

- न्यायपालिका संविधान और कानूनों की रक्षा करती है।
- नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा करती है।
- सरकार के कार्यों की वैधता की जाँच करती है।
- विवादों का निष्पक्ष समाधान करती है।

यदि स्वतंत्र न्यायपालिका न हो तो:

- नागरिकों के अधिकारों का हनन हो सकता है।
- सरकार मनमाने निर्णय ले सकती है।
- लोगों को निष्पक्ष न्याय नहीं मिल पाएगा।
- लोकतंत्र और कानून का शासन कमजोर हो जाएगा।

MUKUTclasses

To get notes visit our website

mukutclasses.in